an>

Title: Need to develop Rajgarh-Narsinghgarh tourist circuit in Madhya Pradesh connecting historical monuments and places in the region.

श्री रोड़मल नागर (राजगढ़) ः मेरा संसदीय क्षेत्र राजगढ़, मध्य प्रदेश प्रागैतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व की अकूत संपदायें समेटे हुए हैं। "मालवा ए कश्मीर " के नाम से विख्यात नरसिंहगढ़ प्रागैतिहासिक शैलचित्रों के साथ मध्यकालीन वास्तुकला से परिपूर्ण इमारतों, मंदिरों के साथ-साथ अपने प्राकृतिक स्वरूप के लिए जाना जाता है। यहाँ योगऋषि महर्षि पतंजलि की जन्मस्थली के साथ-साथ विंध्यांचल पर्वतमाला में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पूर्व अंग्रेजों से लोहा लेने वाले वीर बलिदानी कुंवर चैनसिंह की गाथायें हर घर में सुनने को मिलेंगी। यहीं भारतीय संस्कृति की आदि कलाओं से परिचित कराते हुए शैलचित्र नरसिंहगढ़ क्षेत्र में यत्र-तत्र देखने को मिलेंगे, जिनमें "श्याम जी का मंदिर " इसका प्रमाण हैं। इसी प्रकार, रानी रूपमती का मकबरा सारंगपुर हो या क्षेत्र की प्रसिद्ध भैंसवा माता, जालपा माता राजगढ़ एवं माँ बगुलामुखी नलखेड़ा, बागबागेश्वर महादेव तांवौड़ा की ख्याति देश-प्रदेश में होकर धार्मिक आस्था के केन्द्र हैं। यहां पर धार्मिक स्थलों के नाम से वृहद स्तर के पशु मेलों का भी आयोजन साल भर किया जाता है।

मैं माननीय पर्यटन मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि यदि भारत सरकार राजगढ़ संसदीय क्षेत्र के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के विकास के लिए राजगढ़-नरसिंहगढ़ सर्किट के रूप में पर्यटन नक्शे में शामिल करेंगे, तो संस्कृति और पर्यटन को अधिक लाभ मिलेगा।